चार जिलों की बंद कताई मिलों में औद्योगिक पार्क का रास्ता साफ

अमर उजाला ब्यूरो

250 एकड़ जमीन पर 5000 करोड़ के निवेश का खुलेगा रास्ता, स्थानीय उद्यमियों को दी जाएगी प्राथमिकता

लखनऊ। प्रदेश में बंद पड़ी कताई मिलों की जमीनों पर अब नए औद्योगिक युग की शुरुआत होने जा रही है। राज्य सरकार की पहल पर संतकबीरनगर, अमरोहा, बिजनौर और बरेली की चार मिलों समेत कुल 254 एकड़ भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे 5000 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता खुलेगा। यूपीसीडा इन परियोजनाओं का विकास करेगा, जिसमें स्थानीय उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस प्रक्रिया के तहत संतकबीरनगर में मगहर स्थित संतकबीर सहकारी कताई मिल्स लिमिटेड, ज्योतिबाफुले नगर में अमरोहा स्थित सहकारी कताई मिल्स लिमिटेड, बिजनौर में नगीना स्थित नगीना सहकारी कताई मिल्स लिमिटेड और बरेली में बहेड़ी स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स लिमिटेड को औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। इन मिलों में क्रमशः 40.94 एकड़, 80.71 एकड़, 53.02 एकड़ और 79.61 एकड़ जमीन है।

उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड की कानपुर की बंद पड़ी आधा दर्जन मिलों की 451.20 एकड़ निष्प्रयोज्य भूमि को भी उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) विकसित कर रहा है। इसमें महमूदाबाद, सीतापुर कताई मिल की 71.02 एकड़, फतेहपुर कताई मिल की 55.31 एकड़, मऊआइमा प्रयागराज की 85.24 एकड़, बहादुरगंज, गाजीपुर की 78.92 एकड़, कम्पिल फर्रूखाबाद की 82.15 एकड़ और बुलंदशहर कताई मिल की 78.56 एकड़ भूमि शामिल हैं।

इन मिलों पर सरकारी देनदारी व अन्य मदों के रूप में करीब 150 करोड़ रुपये का बकाया था। इसमें कताई मिलों के अंशधारकों के भी 88 लाख रुपये हैं जिसका भुगतान कर दिया गया है। यह जमीन स्टेट यार्न कंपनी लिमिटेड, स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड, राज्य वस्त्र निगम और सहकारी कताई मिल्स संघ के नाम पर थीं।